WILL of GOD
316

मैं परमेश्वर की इच्छा को कैसे जानूँ?

"इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के नए हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।"
रोमियों 12:2

परमेश्वर की इच्छा को जानना और मानना बहुत महत्वपूर्ण हैं। यीशु के समान बनें। उसने कहा कि वह पृथ्वी पर, *"अपनी इच्छा नहीं वरन् अपने भेजनेवाले की इच्छा पूरी करने के लिये स्वर्ग से उतरा हूँ,"* यूहन्ना 6:38। अधिकांशतः, परमेश्वर की इच्छा सभी विश्वासियों पर एक समान ही लागू होती है। परन्तु, विश्वासियों के लिये परमेश्वर की व्यक्तिगत इच्छा भी होती है, जिसे वह धीमे-धीमे तब प्रगट करता है जब हम दैनिक विश्वासयोग्यता में उसके साथ संगति में बढ़ते चले जाते हैं। आप परमेश्वर की इच्छा को जान सकते हैं। वह आपको समझ-बूझ देगा। *"तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन् सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना। उसी को स्मरण करके सब काम करना, तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा,"* नीतिवचन 3:5-6। सभी विश्वासियों के लिये परमेश्वर की सामान्य इच्छा को आप बाइबल से जान सकते हैं। आप उसकी व्यक्तिगत इच्छा को, उसके वचन तथा उसके प्रति विश्वासयोग्य आज्ञाकारिता के जीवन में बिना किसी विरोधाभास के संयोजन के द्वारा जान सकते हैं। आज्ञाकारिता के इस आधार से, आपके लिये उसकी इच्छा को जानकर उसका पालन कर सकते हैं। पिता से पूछें। उसके वचन, उसकी बुद्धि, उसके लोगों, और उसकी शान्ति से मार्गदर्शन प्राप्त करें। यदि आप परमेश्वर की इच्छा को जान जाते हैं, तो उसका पालन कीजिये।

परमेश्वर की सामान्य इच्छा।परमेश्वर की सामान्य इच्छा का अधिकांश भाग बाइबल की आज्ञाओं, सिद्धान्तों, एवं उदाहरणों में मिलता है। आपके जीवन के लिये परमेश्वर की इच्छा जानने का प्राथमिक स्रोत बाइबल है। *"तेरा वचन मेरे पाँव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये उजियाला है,"* भजन 119:105.

1. आज्ञाएँ। बाइबल में सभी विश्वासियों के लिये अनेकों आज्ञाएँ हैं, जैसे कि, *"सदा आनन्दित रहो। निरन्तर प्रार्थना में लगे रहो। हर बात में धन्यवाद करो; क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है,"* 1 थिस्सलुनीकियों 5:16-18. तथा *"क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है कि तुम ‌॥ व्यभिचार से बचे रहो,"* 1 थिस्सलुनीकियों 4:3. यीशु ने कहा, *"यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे।,"* यूहन्ना 14:15. आज्ञाओं के सन्दर्भ को समझिये। परमेश्वर ने नूह से एक जहाज़ बनाने के लिये कहा, उत्पत्ति 6:14. परमेश्वर ने आप से यह करने के लिये नहीं कहा है। परमेश्वर ने दाऊद से हेब्रोन जाने के लिये कहा, 2 शमूएल 2:1. परमेश्वर ने आप से यह करने के लिये नहीं कहा है। किसी भी आज्ञा को उसके सन्दर्भ से बाहर मत लीजिये।

2. सिद्धान्त। आप के पालन करने के लिये बाइबल के सिद्धान्त हैं। भला भण्डारी होने का सिद्धान्त लूका 16:1-13 में दिया गया है। शिष्यता की कीमत लूका 14 के अन्त में दी गई है। खोए हुओं को ढूँढ़ने का सिद्धान्त लूका 15 के तीन दृष्टान्तों में दिया गया है। बाइबल में दिये गये इन तथा अन्य सिद्धान्तों का पालन कीजिये।

3. उदाहरण। बाइबल की आज्ञाएँ तथा सिद्धान्त आप को, आपके जीवन के लिये परमेश्वर की साधारण इच्छा को देते हैं। बाइबल में हमारे पालन करने के लिये उदाहरण दिये गये हैं। सर्वोत्तम उदाहरण यीशु का जीवन है। शिष्यों के पाँव धोने के बाद यीशु ने कहा, *"क्योंकि मैं ने तुम्हें नमूना दिखा दिया है कि जैसा मैं ने तुम्हारे साथ किया है, तुम भी वैसा ही किया करो,"* यूहन्ना 13:15. हमें उसकी विनम्रता के उदाहरण का अनुसरण करना चाहिये, फिलिप्पियों 2:3-5. हमें उसके पद-चिन्हों पर चलना चाहिये, *"और तुम इसी के लिये बुलाए भी गए हो, क्योंकि मसीह भी तुम्हारे लिये दु:ख उठाकर तुम्हें एक आदर्श दे गया है कि तुम भी उसके पद–चिह्नों पर चलो,"* 1 पतरस 2:21. *"इसी से हम जानते हैं कि हम उसमें हैं : जो कोई यह कहता है कि मैं उसमें बना रहता हूँ, उसे चाहिए कि आप भी वैसा ही चले जैसा वह चलता था,"* 1 यूहन्ना 2:5-6.

एक चेतावनी। परमेश्वर कभी झूठ नहीं बोलता है, भजन 119:160. परमेश्वर, उसके वचन की अनाज्ञाकारिता करने के लिये, न तो आपकी अगुवाई करेगा, और न ही ऐसा करने के लिये आप से कहेगा। हमें सिद्ध करने के लिये यीशु हमें अगुवे देता है, इफिसियों 4:11-14. परन्तु, अनेकों झूठे शिक्षक भी हैं, 2 तीमुथियुस 4:3-4. इस बात पर कभी विश्वास मत कीजिये कि परमेश्वर आप को अपने वचन का उल्लंघन करने के लिये कह रहा है। परमेश्वर कभी ऐसा नहीं करेगा। यदि कलीसिया का कोई अगुवा आप से परमेश्वर के वचन का उल्लंघन करने के लिये कहता है, तो वह एक झूठी शिक्षा है।

परमेश्वर की व्यक्तिगत इच्छा। प्रत्येक विश्वासी के लिये परमेश्वर की एक व्यक्तिगत इच्छा भी है, भजन 32:8, नीतिवचन 3:5-6. परमेश्वर की सामान्य इच्छा का पालन कीजिये। फिर, उसकी व्यक्तिगत इच्छा को जाने के लिये, बड़ी लगन से परमेश्वर से आग्रह करें कि वह उसे आप को बताए। उसके उत्तर के, उसके वचन, उसकी बुद्धि, उसके लोगों, और उसकी शान्ति से खोजी होइये।

पूछिये। दाऊद की प्रार्थना को कीजिये, *"मुझ को यह सिखा कि मैं तेरी इच्छा कैसे पूरी करूँ,"* भजन 143:10. प्रेरित पौलुस ने कुलुस्से के विश्वासियों के लिये प्रार्थना की, कि *"परमेश्वर की इच्छा की पहिचान में परिपूर्ण हो जाओ,"* कुलुस्सियों 1:9. अपने तथा औरों के लिये, गम्भीरता के साथ आपकी प्रार्थना यही होनी चाहिये कि, सभी परमेश्वर की इच्छा को जान सकें और उसे पूरा कर सकें।

मार्गदर्शन प्राप्त करें। परमेश्वर अपनी व्यक्तिगत इच्छा को अपने वचन, अपने बुद्धि, अपने लोगों, और अपने शान्ति के द्वारा प्रकट करता है। परमेश्वर से माँगे कि वह अपनी इच्छा आप पर प्रकट करे। वह आपकी प्रार्थना का उत्तर इन में से किसी के द्वारा देगा:

1. उसका वचन। परमेश्वर की व्यक्तिगत इच्छा को जानना नियमित बाइबल अध्ययन का परिणाम है। जब आप उसके वचन से बुद्धि और समझ प्राप्त करते हैं, तब आप के लिये परमेश्वर की इच्छा भी स्पष्ट होती चली जाती है। वह अपने वचन के विरुद्ध कुछ करने के लिये, कभी आपकी कोई अगुवाई नहीं करेगा।

2. उसकी बुद्धि। परमेश्वर की बुद्धि आत्मिक आज्ञाकारिता से आती है, 1 कुरिन्थियों 2:14-15. *"इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के नए हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो,"* रोमियों 12:2. परमेश्वर से उसकी बुद्धि को माँगिये, *"पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो तो परमेश्वर से माँगे ॥ और उसको दी जाएगी,"* याकूब 1:5.

3. उसके लोग। परमेश्वर की इच्छा को समझने के लिये परमेश्वर के लोग एक संसाधन हैं। जो बोलने और लिखने के द्वारा परमेश्वर के वचन को सटीक सिखाते हैं, वे सहायता कर सकते हैं, कुलुस्सियों 1:28. परिपक्व विश्वासियों से परामर्श लेना भला होता है। एक से अधिक सलाहकार होना भला विचार है, *"बिना सम्मति की कल्पनाएँ निष्फल हुआ करती हैं, परन्तु बहुत से मंत्रियों की सम्मति से बात ठहरती है,"* नीतिवचन 15:22. परिपक्व विश्वासी भी अचूक तो नहीं होते हैं, परन्तु वे आपको सार्थक समझ-बूझ दे सकते हैं जिस से परमेश्वर की इच्छा जानने में आप को सहायता मिल सके।

4. उसकी शान्ति। परमेश्वर की व्यक्तिगत इच्छा के बारे में, उसकी शान्ति ही अन्तिम पुष्टि है, *"मसीह की शान्ति ... तुम्हारे हृदय में राज्य करे,"* कुलुस्सियों 3:15. *"तब परमेश्वर की शान्ति, जो सारी समझ से परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरिक्षत रखेगी,"* फिलिप्पियों 4:7. यह शान्ति, किसी निर्णय के सही होने के लिये प्रार्थना करने, बाइबल अध्ययन करने, आत्मिक बुद्धि, और आत्मिक रीति से परिपक्व सलाहकारों से मिलने वाली समझ-बूझ के बाद, परमेश्वर से मिलने वाली एक गहरी अनुभूति होती है। उसकी शान्ति के खोजी हों और उसकी प्रतीक्षा करें।

कार्य करें। जब आप किसी बात के बारे में पूछें की उसकी इच्छा में है कि नहीं, तब उसका उत्तर "नहीं" हो सकता है, जैसा की 2 कुरिन्थियों 12:7-10 में पौलुस के लिये था। वह "प्रतीक्षा करो" हो सकता है। उसका "प्रतीक्षा करो" का उत्तर एक बड़ी आशीष ला सकता है, यशायाह 40:31. जब परमेश्वर का उत्तर "हाँ" हो, तब उसकी इच्छा को करें, चाहे वह कठिन, अलोकप्रिय, या बड़ी कीमत माँगने वाली ही क्यों न हो। हमें आनन्दित होकर प्रसन्न मन से उसकी इच्छा का पालन करना चाहिये, भजन 40:8, इफिसियों 6:5-6. मसीहियत के नाम में सिखाए जाने वाले झूठे उत्तरों से सावधान रहें। जब आप निश्चित हों कि आप परमेश्वर की इच्छा को जानते हैं, तब ही पालन करें।

मैं परमेश्वर की इच्छा को कैसे जानूँ? © 2026 लेखक जॉन डी। मॉरिस III, एक्टस वन ऐट के द्वारा प्रकाशित किया गया है। आप इसकी सामग्री में कोई भी परिवर्तन किये बिना और इस कथन को सम्मिलित करने के साथ, इसे बिना किसी कीमत के छाप सकते हैं, इसकी प्रतिलिपि बना सकते हैं, इसे किसी को भी ईमेल कर सकते हैं, या इसे एक सन्देश के समान भेज सकते हैं। आप पृष्ठ एक के सबसे ऊपर अपनी सेवकाई, या कलीसिया का नाम या लोगो लगा सकते हैं तथा पृष्ठ दो के अन्त में मोटी रेखा के ऊपर, आप से सम्पर्क करने के लिये जानकारी जोड़ सकते हैं। WillofGod316.org केवल बाइबल पर ही आधारित है। इसे परमेश्वर की इच्छा जानने के लिये विश्वासियों की सहायता करने तैयार किया गया है। आप एक्टस वन ऐट को: Hello@Mail316.org पर ईमेल (यदि सम्भव हो तो अंग्रेज़ी में) कर सकते हैं। अनुवाद सुविधाएँ www.ChristianLingua.com द्वारा उपलब्ध की गई हैं। *मैं परमेश्वर की इच्छा को कैसे जानूँ?* मुफ़्त में अड़तालीस भाषाओं में www.WillofGod316.org पर उपलब्ध है। अंग्रेज़ी संस्करण में दिये गए बाइबल के हवाले लॉकमैन फॉउण्डेशन द्वारा न्यू अमेरिकन स्टैन्डर्ड बाइबल 1995 से लिये गये हैं। इस अनुवाद में दिये गये बाइबल के हवाले HINOVBSI से लिये गये हैं।